पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की पुरातात्विक एवं कला विरासत के संरक्षण, परिरक्षण एवं वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं IGNCA, नई दिल्ली के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

लखनऊः 24 सितम्बर, 2026

अपर मुख्य सचिव, संस्कृति, पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्री अमृत अभिजात, IAS की अध्यक्षता में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नई दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश की पुरातात्विक एवं कला विरासत के संरक्षण, परिरक्षण एवं वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नई दिल्ली, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ देश की शैलकला एवं भित्ति चित्रों के सर्वेक्षण, शोध–अध्ययन, संरक्षण एवं परिरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत एक महत्वपूर्ण, प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय संस्था है। संस्था विगत चार दशकों से शैलकला एवं भित्ति चित्रों के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, किर्गिस्तान, वियतनाम, इंडोनेशिया, इटली, चीन आदि देशों के साथ विभिन्न शोध, सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण एवं परिरक्षण संबंधी गतिविधियों में सहभागिता की गई है।

बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं IGNCA, नई दिल्ली के मध्य दिनांक 03 सितम्बर 2025 को हस्ताक्षरित MoU के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा इसके अंतर्गत शैक्षणिक, अकादमिक एवं तकनीकी गतिविधियों को गति प्रदान करने के लिए आगामी कार्ययोजना पर विचार–विमर्श किया गया।

बैठक में प्रदेश के संरक्षित स्मारकों में विद्यमान प्राचीन भित्ति चित्रकला तथा विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शैलचित्रों के संरक्षण, परिरक्षण एवं वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण को प्राथमिकता देते हुए IGNCA, नई दिल्ली के विशेषज्ञ सहयोग से कार्य किए जाने पर सहमति बनी। संरक्षित स्मारकों में विद्यमान 15वीं से 19वीं शताब्दी की प्राचीन चित्रकलाओं के वैज्ञानिक संरक्षण एवं परिरक्षण पर भी विशेष रूप से विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि इस संबंध में सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा IGNCA, नई दिल्ली के संस्था प्रमुख को औपचारिक पत्र प्रेषित किया जाएगा। साथ ही, इन कार्यों के लिए वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर शासन को प्रस्तुत की जाएगी तथा IGNCA, नई

दिल्ली के सहयोग से प्रस्तावित कार्यों को सम्मिलित करते हुए आवश्यक प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रदेश के संरक्षित शैलचित्रों एवं संरक्षित स्मारकों में विद्यमान प्राचीन भित्ति चित्रों का जनपदवार सर्वेक्षण, अभिलेखन, वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण एवं स्थिति का आकलन (Condition Assessment) कराया जाए। इसके लिए IGNCA, नई दिल्ली की विशेषज्ञ टीम द्वारा संबंधित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर संरक्षण एवं परिरक्षण हेतु तकनीकी प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। शैलचित्रों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, डिजिटल अभिलेखीकरण एवं मैपिंग के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर भी चर्चा हुई।

अपर मुख्य सचिव महोदय द्वारा प्रथम चरण में चंदौली, सोनभद्र एवं मिर्जापुर जनपदों तथा आसपास के क्षेत्रों में स्थित शैलचित्र स्थलों पर सर्वेक्षण, अभिलेखन, संरक्षण एवं परिरक्षण के कार्य प्रारंभ किए जाने का सुझाव दिया गया। आवश्यकतानुसार संबंधित स्थलों पर पुरातात्विक अन्वेषण एवं उत्खनन जैसे कार्यों को भी चरणबद्ध रूप से किए जाने पर विचार किया गया।

बैठक में संरक्षण कार्यों के सुचारु एवं वैज्ञानिक क्रियान्वयन के लिए संरक्षण एवं परिरक्षण कार्य प्रारंभ होने से पूर्व विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किए जाने का भी निर्णय लिया गया। इसमें पुरातत्व विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ स्थल स्तर पर कार्य करने वाले कारीगरों, तकनीकी सहायकों एवं अन्य संबंधित कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे प्राचीन भित्ति चित्रों एवं शैलचित्रों की ऐतिहासिक एवं कलात्मक महत्ता तथा उनके संरक्षण की वैज्ञानिक पद्धतियों से परिचित हो सकें।

बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय की निदेशक श्रीमती रेनू द्विवेदी तथा IGNCA, नई दिल्ली से प्रो. ऋचा नेगी, विभागाध्यक्ष (आदि–दृश्य), डॉ. सत्येंद्र कुमार, सहायक आचार्य (संरक्षण), डॉ. दिलीप कुमार संत, सहायक आचार्य (आदि–दृश्य) एवं उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय से श्री राम विनय, उत्खनन एवं अन्वेषण अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में लिए गए निर्णयों का उद्देश्य IGNCA, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय के मध्य सहयोग को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए प्रदेश की प्राचीन भित्ति चित्रकला एवं शैलचित्र विरासत के सर्वेक्षण, वैज्ञानिक अभिलेखन, दस्तावेजीकरण, संरक्षण एवं परिरक्षण के लिए एक व्यवस्थित एवं दीर्घकालिक कार्ययोजना विकसित करना है।

सम्पर्क सूत्र– केवल

राघवेन्द्र / 07:00 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com, वेबसाइट :www.information.up.gov.in